nwda.gov.in

बारिश की बूंदें तर करेंगी अब आपका गला

सुरेंद्र प्रसाद सिंह ● नई दिल्ली

बारिश की बूंदों से अब आपका गला तर करने की तैयारी है। सही भी है, जब अंबर से अमृत बरसता है तो उसकी बूंद-बूंद आखिर क्यों न सहेजी जाए। इससे पेयजल किल्लत की समस्या से भी निजात मिलेगी, खासकर प्रदूषित भूजल वाले क्षेत्रों में। इसी के मद्देनजर केंद्र की ओर से पेयजल आपूर्ति के लिए वर्षा के संग्रहित जल को प्राथमिकता दी जा रही है। वैसे भी हर घर नल से जल पहुंचाने वाले 'जल जीवन मिशन' का लक्ष्य जल की गुणवत्ता, समुचित मात्रा और आपूर्ति की निरंतरता को बनाए रखना है।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत कहते हैं कि देश के तमाम हिस्सों के भूजल में घातक तत्व घुले हुए हैं और यह पानी पीने योग्य नहीं है। लोगों के स्वास्थ्य पर इसका विपरीत असर पड़ता है। ऐसे क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति किसी बांध, पोखर, तालाब और जलाशय से की जाएगी। फिलहाल देश की पेयजल आपूर्ति में भूजल की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत है। जल जीवन मिशन में पानी की गुणवत्ता को गंभीरता से लिया गया है।

जल शक्ति मंत्री शेखावत ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि पानी की जांच को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए जा रहे थे। मिशन ने कोविड-19 की जांच प्रणाली से बहुत कुछ सीखा है। इसके लिए पूरे देश में एक नेशनल ग्रिड विकसित की जा रही है। इससे कहीं भी और कभी भी पानी की जांच कराई जा सकती है। घरेलू सेंसर टेक्नालाजी के माध्यम से देश के 100 स्थानों पर सालभर से पानी की आपूर्ति हो रही है। इससे हमें हर क्षण पानी की गुणवत्ता, मात्रा और निरंतरता का पता चल रहा है। यह प्रणाली राष्ट्रीय स्तर पर लागू की जा सकती है।

देश के 48,000 गांवों में भूजल की गुणवत्ता बेहद खराब: जलशक्ति मंत्री के अनुसार देश में चिह्नित 48, 000 गांव ऐसे हैं जहां भूजल की गुणवत्ता बेहद खराब है। इन गांवों को विशेष प्राथमिकता दी गई है। गंगा के मैदानी क्षेत्रों (गंगेटिक जोन) में भूजल आर्सेनिक युक्त है। राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश समेत कुछ और राज्यों में फ्लोराइड की समस्या है। कुछ जगहों के भूजल में यूरेनियम की समस्या भी पाई गई है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के त्रिपुरा समेत अन्य राज्यों के भूजल में आयरन मिला है। ये सभी तत्व स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

गजेंद्र सिंह शेखावत ● फाइल फोटो

85 प्रतिशत है फिलहाल देश की पेयजल आपूर्ति में भूजल की हिस्सेदारी

100 स्थानों पर घरेलू सेंसर टेक्नालाजी के माध्यम से हो रही जलापूर्ति

● पेयजल आपूर्ति में संग्रहित वर्षा जल को दी जा रही है प्राथमिकता

जलाशयों में पानी संग्रह करने को किया जा रहा प्रोत्साहित

गांवों के नए, पुराने और छोटे-बड़े जलाशयों में बरसाती पानी संग्रह करने को प्रोत्साहित किया जा रहा है। भूजल के अधिक दोहन से देश के 1000 से अधिक ब्लाक डार्क एरिया घोषित हो चुके हैं। शेखावत ने सवाल के जवाब में बताया कि भूजल को लेकर चिंतनीय सात राज्यों के 79 जिलों को चिह्नित किया गया है। इन जिलों में विश्व बैंक की छह हजार करोड़ की वित्तीय मदद से अटल भूजल योजना की पायलट स्कीम चालू हो चुकी है। देश में पहली बार आपूर्ति के उलट मांग आधारित पानी की स्कीम शुरू हुई है। इससे लोगों को जल की अहमियतता का भी आभास होगा।